साांध्य दैनिक
4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 327 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 3 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

हम ऐसी दुनिया में जीते हैं जहां फेसबुक पर हमारे बहुत से दोस्त हैं पर फिर भी हमने मानवीय लगाव खो दिया है।

–रॉबिन शर्मा

घमंडी हैं मोदी, किसानों के मुद्दे... 8 | गांवों में प्रियंका गांधी के नारे... 3 | कोरोना के खिलाफ डीएम ने... 7

सपा के फ्री बिजली देने के ऐलान से भाजपा को लगा करंट : अखिलेश

झूठ बोलने वालों का सफाया करेगी प्रदेश की जनता

फोटोः सुमित कुमार

- नए प्लांट बनाकर किया जाएगा बिजली का उत्पादन
- आंदोलन में मृत किसानों के सम्मान में बनवाएंगे स्मारक
- सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देने और सिंचाई बिल माफ करने के सपा के ऐलान से भाजपा को सबसे अधिक करंट लगा है अगर भाजपा सरकार बिजली के नए प्लांट लगाती तो आज प्रदेशवासियों को सबसे महंगी बिजली नहीं खरीदनी पड़ती। एटा और हरदुआगंज में बिजली प्लांट बनकर तैयार हो जाता तो प्रदेश के पास पर्याप्त बिजली होती। सबसे अधिक सोलर प्लांट भी सपा सरकार के शासनकाल में लगे। इन योजनाओं को पूरा कर प्रदेशवासियों को तीन सौ यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि यूपी का चुनाव देखकर तीन कृषि कानूनों को वापस लिया गया। इस कानून के जरिए किसानों की जमीन छीनने की मंशा थी। बिजली के तारों की अंडर ग्राउंड केबलिंग का काम भी सपा सरकार ने शुरू किया था। बनारस को चौबीस घंटे बिजली देने का काम सपा सरकार ने किया। भाजपा से अच्छा झूठ कोई नहीं बोल सकता। वे विज्ञापन में झूठ बोल रहे हैं। चीन के एयरपोर्ट की तस्वीर लगा दी। इस बार जनता प्रदेश से भाजपा का सफाया कर देगी। सपा सरकार बनने पर आंदोलन के दौरान

मृत किसानों के परिजनों को 25-25 लाख देंगे और उनके सम्मान में स्मारक बनवाएंगे। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक माफिया भाजपा में हैं। जब पूरी तरह समाजवाद लागू हो जाएगा तो रामराज आ जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार को कोयले और विद्युत का कोटा बढ़ाना चाहिए था। मुख्यमंत्री को पता ही नहीं चला और उनका चीफ सेक्रेटरी बदल गया।

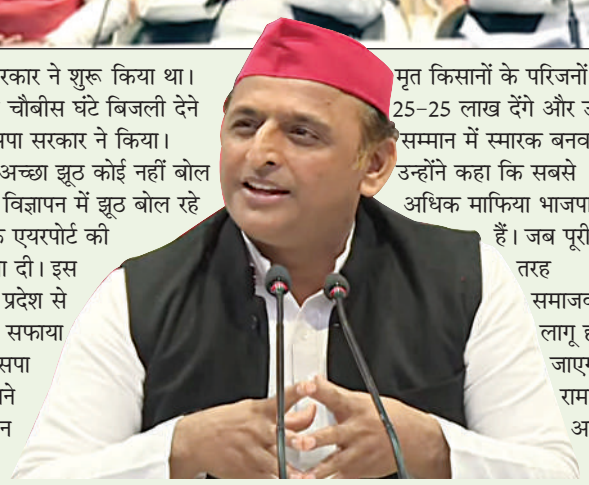

खत्म करेंगे नफरत की राजनीतिः राजभर

सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में नफरत की राजनीति की जा रही है, इसे खत्म करेंगे। पत्रकारों को सही खबर लिखने पर जेल भेजा जा रहा है। इस बार भाजपा को प्रदेश से उखाड़ फेंकेंगे। सपा की सरकार बनते ही तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देंगे।

बसपा सांसद के पिता राकेश पांडेय सपा में शामिल

विधान सभा चुनाव से पहले सपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व से प्रभावित विभिन्न दलों के नेता और विधायक सपा में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज बसपा सांसद रितेश पांडेय के पिता और पूर्व सांसद राकेश पांडेय सपा में शामिल हो गए। राकेश पांडेय पहले बसपा से सांसद रह चुके हैं। वे सपा से विधायक भी रहे हैं जबकि उनके बेटे रितेश पांडेय अभी बसपा से अंबेडकरनगर से सांसद हैं। इसके अलावा कांति सिंह पूर्व एमएलसी, दुर्गेश मिश्रा पूर्व विधायक, बीरबल कश्यप, राष्ट्रीय अध्यक्ष निषाद जनता पार्टी समेत विभिन्न दलों के नेता अपने समर्थकों के साथ साइकिल पर सवार हुए। इसके पहले रामअचल राजभर, लालजी वर्मा ने सपा का दामन थामा था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की उपस्थिति में सभी को पार्टी की सदस्यता दिलायी गयी है।

कोरोना की रफ्तार बेलगाम, एक दिन में करीब 34 हजार संक्रमित

- एक हफ्ते में तीन गुना हुए नए केस, तीसरी लहर की सुनायी देने लगी आहट
- महाराष्ट्र और दिल्ली समेत कई राज्यों में महामारी बरपा रही कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के आने के बाद कोरोना की रफ्तार बेलगाम होती जा रही है। भारत में एक हफ्ते में कोरोना के नए केस तीन गुना तक बढ़ गए हैं। पिछले चौबीस घंटे में भारत में करीब 34 हजार लोग संक्रमित हुए हैं जबकि मरने वालों की संख्या 123 दर्ज की गयी है।

1700 मरीज ओमिक्रॉन वेरिएंट के

देश में ओमिक्रॉन के मरीजों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। ओमिक्रॉन के कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 1700 हो गई है। इसके सबसे ज्यादा मरीज महाराष्ट्र में हैं। महाराष्ट्र में 510 और दिल्ली में 351 मरीज हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक बीते चौबीस घंटे में 33,750 लोग कोरोना संक्रमित हुए हैं। इसके पहले कोरोना के 27,553 नए मामले सामने आए थे। 20 से 26 दिसंबर के बीच एक हफ्ते में कुल 46,073 कोरोना मरीज सामने आए थे लेकिन 27 दिसंबर से 2 जनवरी तक 1,29,500 नए कोरोना मरीज मिले। साफ है कि एक हफ्ते के अंदर तीन गुना नए मरीज मिले हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति महाराष्ट्र, बंगाल और दिल्ली की है। अब विशेषज्ञ तीसरी लहर के आने की आशंका जताने लगे हैं।

किशोरों का टीकाकरण प्रारंभ

लखनऊ। कोरोना वायरस से निपटने के लिए आज से 15 से 18 साल के किशोरों का टीकाकरण शुरू कर दिया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सिविल अस्पताल में 15 से 18 साल के बच्चों के कोरोना टीकाकरण का शुभारंभ किया। प्रदेश सरकार ने बच्चों के टीकाकरण अभियान की शुरुआत के दिन एक करोड़ 40 लाख बच्चों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश के सभी जिलों में आज से 15 वर्ष से 18 वर्ष तक की उम्र के किशोरों को वैक्सीन लगाई जा रही है। वैक्सीन लगाने के लिए करीब 16 हजार केन्द्र बनाए गए हैं। वहीं किशोरों में टीका लगवाने के लिए उत्साह देखने को मिला। 48 घंटे में 6.79 लाख किशोरों ने टीका लगवाने के लिए पंजीकरण करवा लिया है। कोरोना के टीकाकरण के लिए मौके पर भी रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है।

सरकार बनने पर संस्कृत विद्यालयों का होगा जीर्णोद्धार : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने परशुराम मंदिर का किया लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर संस्कृत विद्यालयों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। अध्यापक से लेकर अन्य सभी पदों को भरा जाएगा। उनमें वेद पाठ के साथ ही आधुनिक विज्ञान के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वे समाजवादी विजय रथयात्रा के 10वें चरण के दौरान विभिन्न स्थानों पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे महुराकला गांव में विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर व पूर्व विधायक संतोष पांडेय के संयोजन में आयोजित भगवान परशुराम मंदिर के लोकार्पण समारोह में अखिलेश ने कहा कि भाजपा हिंदुत्व की राजनीति करती है, लेकिन समाजवादी पार्टी हमेशा सर्व समाज को साथ लेकर चलती है।

जिस भी समाज के साथ अहित हुआ, सपा उसके साथ खड़ी नजर आई है और भविष्य में भी समाज के विकास के लिए तत्पर रहेगी। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार ने उत्तर प्रदेश को विकास और रोजगार का मॉडल दिया। लखनऊ में आईटी सिटी, कैंसर संस्थान बनाया, ताकि लोगों को रोजगार और इलाज के लिए चेन्नई, हैदराबाद ना जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर गरीबों के लिए 300 यूनिट घरेलू बिजली और सिंचाई मुफ्त देंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि बाबा को भी कोई कार्यक्रम करना होता है तो उसी स्टेडियम का इस्तेमाल करते हैं, जिसे समाजवादी सरकार ने बनवाया था।

अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित कर रही भाजपा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित कर रही है। पहले विधानसभा में एंग्लो इंडियन के लिए आरक्षित सीट खत्म की और अब जैन समाज की प्रताड़ित कर रहे हैं। इस समाज की आबादी करीब 50 लाख होगी। वे कड़ी मेहनत करके व्यापार करते हैं। भाजपा ने पहले पीयूष जैन के यहां छापा डलवाया और गलती का अहसास होने पर पुष्पराज जैन के यहां। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जाति, धर्म के नाम पर समाज को बांटने का षडयंत्र रच रही है। सपा समर्थक इससे सावधान रहें।

विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर रथयात्रा का स्वागत किया गया।

2017 की तर्ज पर ही चल रही है भाजपा की लहर : स्वतंत्र देव

» माफिया मुख्तार, आजम खां को जेल भेजना अनुपयोगी है क्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

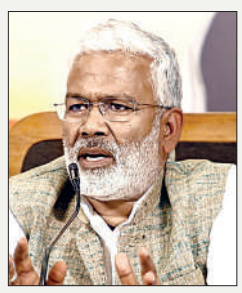

लखनऊ। सीतापुर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सपा के राष्ट्रीय अखिलेश यादव के योगी अनुपयोगी हैं के बयान पर पलटवार करते हुए जमकर निशाना साधा। कहा कि, माफिया मुख्तार को सलाखों के पीछे भेजना, आजम खां को जेल में बंद करना क्या अनुपयोगी है ? कहा कि हमारे मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई एक पैसे के घोटाले का आरोप नहीं लग सकता। कांग्रेस पर भी सियासी तीर चलाते हुए कहा किब कांग्रेज के पंजे और सपा की साइकिल के निशान पर लक्ष्मी नहीं रहती है। माता लक्ष्मी का पास तो कमल के फूल पर है।

अखिलेश यादव कह रहे हैं कि मैं आ रहा हूं, जनता पूछ रही है क्या गरीबों पर बुलडोजर चलाने आ रहे हो ? सपा सरकार में यूपी में माफियाओं का राज था। न गरीबों को गैस कनेक्शन, न आवास मिलता था। रेउसा कस्बे में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की मूर्ति अनावरण समारोह में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा लाल टोपी वाले गुंडे होते हैं। कहा कि भाजपा ने राम मंदिर बनवाया है। इसलिए जनता जान चुकी है कि भाजपा ही हिंदुओं की पार्टी है। भाजपा में ही हिंदुस्तान सुरक्षित है। बोले कि भाजपा भारत माता की पार्टी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूपी में 2017 की तर्ज पर ही भाजपा की लहर चल रही है। साफ नीयत, कानून के शासन और सही विकास के सामने सपा-बसपा और कांग्रेस का छलावा टिक नहीं पाएगा।

हल्द्वानी सीट पर भाजपा-कांग्रेस से हर दिन नया दावेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हल्द्वानी। कुमाऊं के प्रवेश द्वार हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र हमेशा से हाट सीट रही है। लंबे समय से इस सीट पर कांग्रेस का दबदबा रहा है। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है। कांग्रेस से ज्यादा भाजपा के दावेदारों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। शहर भर में बिजली खंभों में टंगे पोस्टरों इसके गवाह हैं। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की 30 दिसंबर को हल्द्वानी में हुई सभा के बाद भाजपा नेताओं के हौसले बढ़ गए हैं।

वहीं कांग्रेस में भी दावेदारों की लंबी फेरहिस्त हैं। हल्द्वानी विधानसभा सीट का पिछले दो विधानसभा चुनावों का इतिहास देखें तो कांग्रेस नेता डा. इंदिरा हृदयेश ने जीत हासिल की थी। वर्ष 2012 में डा. इंदिरा हृदयेश को 43786 मत मिले थे, जबकि प्रतिद्वंद्वी रहीं भाजपा की रेनू अधिकारी को 19044 मत मिले थे। 2017 के चुनाव में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। इंदिरा ने 43786 मत हासिल किए और भाजपा के डा. जोगेन्द्र रौतेला को 37239 वोट मिले थे। अब इस हाट सीट पर सियासी माहौल बदला हुआ है। इंदिरा हृदयेश नहीं रही। कांग्रेस से उनके पुत्र सुमित के अलावा अन्य दावेदार हैं।

भाजपाइयों ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रद्धेय स्व. डॉ रास बिहारी मिश्रा की 93वीं जयंती पर टिकैतराय एलडीए कॉलोनी मां मनपूर्णा मंदिर पार्क पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गयी एवं इस अवसर पर उपस्थित जरूरतमन्दों को कंबल बांटा गया। साथ ही पूज्यनीय माता स्व. रामकुमारी (लोकतंत्र सेनानी) की तेहरवीं संस्कार कार्यक्रम में उनको भी श्रद्धांजलि दी गयी। राजधानी नगर सहकारी बैंक के चेयरमैन मान सिंह, उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, भाजपा स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के सहसंयोजक अतुल दीक्षित, अवध क्षेत्र एनजीओ प्रकोष्ठ के सहसंयोजक संतोष श्रीवास्तव, अंजनी श्रीवास्तव, डॉ राजीव लोचन, डॉ यूएन पांडेय, दिलीप श्रीवास्तव, अनुराग मिश्रा मौजूद थे।

समाजवादी इत्र की दुर्गंध से भाग रहे लाल टोपी वाले : धर्मेंद्र प्रधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री और यूपी भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि समाजवादी इत्र की दुर्गंध ऐसी फैली है कि अब लाल टोपी वाले पीठ दिखाकर भाग रहे हैं। जनता प्रदेश को बदहाली के रास्ते पर छोड़ने वाली सपा का विधानसभा चुनाव में बुरा हाल करेगी। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रदेश के लिए रेड अलर्ट बने लाल टोपी वालों को उनके ही इत्र की दुर्गंध ने इस कदर शर्मसार किया है कि वे अब प्रदेश की जनता को चेहरा नहीं दिखा पा रहे हैं। जनता को लाल टोपी वालों से सावधान रहना होगा।

ताल ठोंकना, गुंडागर्दी और आतंक ही इनकी पहचान है। भाजपा तो विनम्रता से जन विश्वास प्राप्त करने के लिए यात्रा निकाल रही है। योगी सरकार में ताल ठोंककर रेड अलर्ट करने वाले असामाजिक तत्व पीठ दिखाकर भाग रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। मगर, कहां से लड़ेंगे यह पार्टी तय करेगी। योगी ने दावा किया कि भाजपा इस बार भी 300 से ज्यादा सीटें जीतकर प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने समय पर चुनाव कराए जाने का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि इसका फैसला आयोग को करना है। पार्टी को सभी वर्गों का व्यापक समर्थन मिल रहा है।

निर्वाचन आयोग कभी भी कर सकता है तारीखों का ऐलान

» कोरोना को लेकर लागू हो सकते हैं ये नियम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सभी राजनीतिक दलों की सहमति के आधार पर चुनाव आयोग समय से पांच राज्यों में चुनाव करवाने की तैयारी में तो जुट गया है, लेकिन ओमिक्रोन के खतरे को देखते हुए कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निश्चय भी किया गया है। इससे न तो राजनीतिक दल बचेंगे, न मतदान कर्मी और न ही वोटर। उल्लंघन करने वाले नेताओं पर कुछ पाबंदियां लग सकती हैं तो वोटर को वोट डालने से रोका भी जा सकता है।

चुनाव आयोग पांच जनवरी के बाद कभी भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। आयोग पांचों चुनावी राज्यों का दौरा कर चुका है और सभी राज्यों की तैयारियों से संतुष्ट है। कोरोना वायरस का

नया वैरिएंट भले ही हर दिन बढ़ रहा है, लेकिन उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव समय पर ही होंगे। यह जरूर है कि लोगों को महामारी से बचाने के लिए कड़ी चुनावी बंदिशें लागू होंगी। इसके तहत घर-घर जाकर पहले जैसा प्रचार और भीड़ जुटाने वाली रैलियां नहीं होंगी। एक विचार यह भी है कि प्रचार की अवधि कम की जाए। प्रचार अभियान में लोगों की संख्या भी सीमित हो सकती है। साथ ही मतदान के दौरान मास्क लगाना अनिवार्य होगा। यदि कोई इसका उल्लंघन करता पाया जाएगा तो उसे वोट डालने से भी रोका जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, आयोग के ऐसे निर्णय के बारे में पूरा प्रचार किया जाएगा, ताकि लोग जागरूक रहें। नेताओं की ओर से यह चूक होती है तो वे आचार संहिता उल्लंघन के दायरे में आ सकते हैं। सूत्रों की मानें तो ज्यादातर राज्यों से जो रिपोर्ट आई है, उसके आधार पर भी आयोग कुछ नए सुरक्षा प्रोटोकाल तय करने में जुटा है। शारीरिक दूरी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लोगों को भीड़ से बचाने के लिए पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ाई जा रही है। एक बूथ पर एक हजार या उससे कम लोगों की भीड़ होगी। सेनेटाइजेशन और वैक्सीनेशन को भी प्रभावी तरीके से लागू करने की तैयारी है। बूथ एजेंट के लिए वैक्सीन की डबल डोज अनिवार्य होगी।

गांवों में प्रियंका गांधी के नारे, कांग्रेस को मजबूत कर रही बेटियां

फिरोजाबाद में कांग्रेस महासचिव के दौरे के बाद बेटियां हुई सक्रिय

कांग्रेस अभियान में आई तेजी, लगातार लोग जुड़ रहे हैं संगठन से

» फिरोजाबाद की सितारा को प्रियंका का मिला न्यू ईयर गिफ्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के गांवों में सबसे बड़ी महिला नेता के रूप में उभरी है। पार्टी का दावा है कि यूपी प्रभारी व कांग्रेस महासचिव के एक्टिव होने से कांग्रेस गांवों में लगातार मजबूत होती जा रही है। फिरोजाबाद में कांग्रेस महासचिव के दौरे के बाद बेटियां भी सक्रिय हो गई हैं। लगातार बेटियां व महिलाएं प्रियंका गांधी की चर्चाएं कर रही है। कांग्रेस को मजबूत करने में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में आज फिरोजाबाद की महिलाएं फूली नहीं समाई जब उन्हें कांग्रेस महासचिव का प्यार भरा तोहफा मिला।

प्रियंका गांधी ने फिरोजाबाद की दलित समाज की महिला सितारा देवी को न्यू ईयर पर गिफ्ट भेजा। नव वर्ष की पूर्व संध्या कांग्रेस नेता सितारा के घर पूरे परिवार के लिए कपड़े और स्मार्ट फोन लेकर पहुंचे। सितारा इन उपहारों को देख खुश हो गईं और मुंह से निकला दीदी शुक्रिया।

प्रियंका के स्लोगन को सार्थक बनाना है

सितारा देवी को जो सामान दिया गया, उसमें एक स्मार्ट फोन के अलावा रसोई के बर्तन, पूरे परिवार के कपड़े हैं। कांग्रेस नेता अतुल चतुर्वेदी ने कहा कि प्रियंका गांधी के लड़की हूं, लड़ सकती हूं के स्लोगन को सार्थक बनाना है। सितारा देवी के हौसला अफजाई के लिए प्रियंका गांधी ने यह उपहार भेजा है। उन्होंने कहा सितारा देवी का फोन नंबर प्रियंका गांधी को दे दिया जाएगा, जिससे इनका संवाद होता रहे।

सितारा का पूरा परिवार ही नहीं, बल्कि गांव के आसपास गांव भी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। बता दें कि 29 दिसंबर को प्रियंका गांधी फिरोजाबाद के दौरे पर थीं। इस दौरान उन्होंने सिरसागंज शहर में लड़की हूं, लड़ सकती हूं, स्लोगन के तहत शक्ति संवाद कार्यक्रम में महिलाओं से संवाद किया था। उन्होंने महिलाओं से समस्याओं पर चर्चा की थी। साथ ही योगी सरकार पर भी निशाना साधा था। सितारा देवी फिरोजाबाद में चूड़ी की जुड़ाई का काम करती हैं। प्रियंका गांधी ने उनसे इस काम के बारे में भी जानकारी ली थी।

राजनीति में महिलाओं की भागीदारी का संकल्प

अतुल चतुर्वेदी ने बताया कि प्रियंका गांधी ने महिलाओं की राजनीति में मजबूत भागीदारी का संकल्प लिया है। अब इसका असर उत्तर प्रदेश में दिखने लगा है। वहीं जिलाध्यक्ष संदीप तिवारी ने बताया कि जिले में आज चारों तरफ प्रियंका गांधी और कांग्रेस के प्रति बहुत सकारात्मक माहौल है। पार्टी बहुत मजबूती से चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस नेता शशि शर्मा ने कहा कि आज सभी महिलाओं को प्रियंका गांधी से बहुत उम्मीद है। वहीं सितारा देवी ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि उनके घर आने के बाद प्रियंका गांधी उनके लिए उपहार भेजेंगी। उपहार पाकर वह काफी खुश हैं और उनका धन्यवाद करती हैं। वह चूड़ी की जुड़ाई करने का काम करती हैं, जिससे परिवार का पालन-पोषण होता है।

सरकार बनी तो यूपी में आशा वर्कर्स को 10 हजार मानदेय

अगले साल उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक दलों की तरफ से कई लुभावने वादे हो रहे हैं। कांग्रेस ने भी यूपी में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। दो दिन पहले ही प्रियंका गांधी ने फिरोजाबाद और आगरा में महिलाओं की सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान मिलने आईं आशा कार्यकर्ताओं से उन्होंने बड़ा वादा किया। कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो आशा कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह दस हजार रुपया मानदेय दिया जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग कामों के लिए मिलने वाला इन्सेंटिव भी बढ़ा दिया जाएगा। प्रियंका गांधी के चुनावी वादों के अनुसार आशा कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह दस हजार रुपये मानदेय दिए जाएंगे जबकि अलग-अलग मदों में मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को भी दोगुना कर दिया जाएगा। इस तरह से प्रतिमाह आशा बहनों का मानदेय करीब 17 से 18 हजार रुपये हो जाएगा।

अब ई-रैलियों से चुनाव प्रचार को धार देने की तैयारी में भाजपा

» पचास हजार लोगों की ई-रैली के लिए बनाया प्लान

» प्रदेश से मंडल तक 11 हजार लोगों की टीम तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा चुनाव में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। विधान सभा चुनाव को देखते हुए रणनीतिकारों ने लोगों तक पहुंच बनाने के लिए अब ई-रैली का भी सहारा लेने का प्लान बना लिया है। वर्चुअल रैली के लिए टीमों को तैनात कर दिया गया है। इसके जरिए भाजपा के दिग्गज नेता हर वर्ग से जुड़ने की कोशिश करेंगे।

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच भाजपा एक समय में पचास हजार लोगों की ई- रैली करने की तैयारी कर चुकी है। पहली और दूसरी लहर के दौरान पार्टी वर्चुअल रैली, बैठकें और वेबिनार के आयोजन से वह इस प्लेटफॉर्म की क्षमता भी परख चुकी है। चुनाव के लिए आईटी सेल और सोशल मीडिया के उपयोग के लिए प्रदेश मुख्यालय से लेकर जिलों तक न केवल बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, बल्कि 11 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं की

प्रशिक्षित टीम भी तैयार की है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के संयोजक कामेश्वर मिश्रा बताते हैं, कोरोना को देखते हुए पार्टी ने एक बार में पचास हजार लोगों की ई-रैली की तैयारी की है। पार्टी के पास प्रदेश से लेकर जिलों तक वर्चुअल बैठक और मल्टीपल कॉन्फ्रेंस के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर है। सभी जिला कार्यालयों में कॉन्फ्रेंस रूम के साथ डाटा तैयार करने और भेजने की सुविधा है। बैठकों, वेबिनार और ई-रैली के लिए सॉफ्टवेयर तैयार कराए गए हैं। कार्यकर्ताओं को इस तरह से प्रशिक्षित किया गया है कि एक संदेश भेजते ही कुछ ही देर में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद सभी बिना किसी परेशानी के ऑनलाइन जुड़ जाते हैं।

आईटी वॉर रूम तैयार

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आईटी का वॉर रूम भी तैयार हो गया है। बड़ी संख्या में आईटी एक्सपर्ट वॉर रूम में तैनात किए गए हैं। आईटी के एक्सपर्ट पार्टी के चुनाव प्रबंधन में मदद करने के साथ सोशल मीडिया टीम को भी प्रचार-प्रसार में सहयोग कर रहे हैं। हर मंडल में तीन, विधान सभा क्षेत्र में पांच, जिला स्तर पर तीन सदस्यीय सोशल मीडिया टीम भी तैयार हो चुकी है। प्रदेश कार्यालय में तैयार सोशल मीडिया के वार रूम के जरिये सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर विपक्ष की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ उनका तुरंत पलटवार भी किया जा रहा है।

हर मंडल में तीन, विधान सभा क्षेत्र में पांच, जिला स्तर पर तीन सदस्यीय सोशल मीडिया टीम भी तैयार हो चुकी है।

भूले तो नहीं अभियान जारी

सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अंकित सिंह चंदेल बताते हैं, 'सोच ईमानदार-काम दमदार' अभियान के तहत मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों का सोशल मीडिया पर प्रचार किया जा रहा है। वहीं 'भूले तो नहीं' अभियान के तहत बसपा, सपा शासनकाल में हुए दंगे, भ्रष्टाचार, अराजकता, अपराध की याद दिलाई जा रही है। 'फर्क साफ है' अभियान के जरिये सपा, बसपा सरकार की तुलना में भाजपा सरकार में स्थापित कीर्तिमानों और सुधारों को जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देश में भगदड़ पर नियंत्रण कब?

वैष्णो देवी धाम में भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी जबकि डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गए। अभी भगदड़ की ठीक वजह का पता नहीं चल सका है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजे का ऐलान किया गया है लेकिन यह पहला मामला नहीं है। देश भर में धार्मिक केंद्रों में भगदड़ की घटनाओं में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। बावजूद इसके इस पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए है। सवाल यह है कि भगदड़ में हुई मौतों का जिम्मेदार कौन है? कोरोना काल में जब वैष्णो देवी धाम की यात्रा करने के लिए 25 हजार लोगों की सीमा तय थी तो अचानक बेतहाशा भीड़ कैसे पहुंच गयी? क्या पुलिस और प्रशासन की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी दुर्घटना घटी? आखिर भीड़ को कंट्रोल करने में पुलिस सफल क्यों नहीं हो सकी? क्या सरकार केवल मुआवजा देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर सकती है? भगदड़ को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए?

देश के तमाम तीर्थ क्षेत्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भगदड़ की संभावना हमेशा बनी रहती है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन को लगाया जाता है। इसके बाद भी ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैष्णो देवी में हुई भगदड़ के लिए पुलिस प्रशासन जिम्मेदार है। कोरोना काल में जब श्रद्धालुओं की संख्या को सीमित कर दिया गया था तब इतनी भीड़ धाम में कैसे पहुंच गयी। इस दौरान पुलिस-प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित क्यों नहीं किया और निश्चित संख्या से अधिक लोगों को धाम जाने की अनुमति कैसे दी गयी। बताया यह जा रहा है कि किसान आंदोलन के कारण आठ दिन तक जम्मू-कटरा जाने वाली ट्रेनें बंद थीं। अचानक ट्रैक खुलने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए वैष्णो धाम पहुंचे। नए वर्ष की पूर्व संध्या पर धाम में हर साल भक्त उमड़ते हैं। बीते साल 31 दिसंबर को 50 हजार तक यात्री यहां पहुंचे थे लेकिन इस बार इनकी संख्या चार गुना तक बढ़ गयी। साफ है, इतनी बड़ी श्रद्धालुओं की संख्या को पुलिस-प्रशासन नियंत्रित करने में नाकाम रहा और इसका परिणाम भगदड़ के रूप में सामने आया। यह बात अलग है कि जांच के बाद इसका खुलासा होगा कि भगदड़ की असली वजह क्या थी लेकिन इतना तय है कि भारी भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस प्रशासन अभी भी सक्षम नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को प्रशिक्षित करे। साथ ही ऐसे स्थानों पर केवल भीड़ को नियंत्रित करने में प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों को ही तैनात करे।

सवाल यह है कि भगदड़ में हुई मौतों का जिम्मेदार कौन है? कोरोना काल में जब वैष्णो देवी धाम की यात्रा करने के लिए 25 हजार लोगों की सीमा तय थी तो अचानक बेतहाशा भीड़ कैसे पहुंच गयी? क्या पुलिस और प्रशासन की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी दुर्घटना घटी? आखिर भीड़ को कंट्रोल करने में पुलिस सफल क्यों नहीं हो सकी?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मध्य एशिया केंद्रित कूटनीति का हासिल

पुष्परंजन

चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने मई, 2021 में एक तस्वीर जारी की थी, जिसमें कजाकस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेशमंत्री अपने समकक्ष वांग यी के साथ पेइचिंग में बैठक कर रहे थे। विषय था, मध्य एशिया में चीनी अधोसंरचना और निवेश को तेजी से विस्तार देना। चीनी परियोजनाएं जितने बड़े स्केल पर इन पांच देशों में शुरू हैं, उसके परिणाम सबसे पहले रोजगार सृजन और उद्योग विकास के विभिन्न रूपों में दिखाई देने लगे हैं। इसके कोई नौ महीने बाद भारत सरकार ने तय किया कि मध्य एशिया के इन पांच देशों के शासन प्रमुख गणतंत्र दिवस के अवसर पर बतौर विशेष अतिथि बुलाये जाएंगे।

भारत जब तक उभयपक्षीय सहयोग की दिशा में आगे बढ़ेगा, चीन के पांव वहां गहरे जम चुके होंगे। ठीक वैसे ही, जैसे अफ्रीका में हुआ। नवंबर के आरंभ में भारत ने अफगानिस्तान के हवाले से 'रीजनल सिक्योरिटी डायलॉग' आहूत किया था, जिसमें ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आये थे। इन तीनों देशों की सीमाएं अफगानिस्तान से लगती हैं। इस क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद में विषय आर्थिक होने का सवाल ही नहीं था। भारत ने इनसे वैसी चिंताएं साझा कीं, जिससे हमारी सुरक्षा कहीं न कहीं प्रभावित होती है। मध्य एशिया के पांचों देश रूस के प्रभाव से बाहर नहीं हैं, इसलिए यहां कुछ भी गतिविधियां चलाने से पहले मास्को की हामी जरूरी हो जाती है। 6 दिसंबर 2021 को रूसी राष्ट्रपति पुतिन दिल्ली आये, 28 उभयपक्षीय समझौतों के साथ यह भी तय हुआ कि भारत मध्य एशिया में मिल्ट्री साजो-सामान के निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़े। पुतिन इस बात को समझ रहे थे कि यह सब भारत के लिए आसान नहीं है, जहां पहले से चीन और पाकिस्तान सक्रिय रहे हैं। चीन, मध्य एशिया के तीन देशों, ताजिकिस्तान से 414 किलोमीटर, कज़ाकस्तान से 1533 किलोमीटर और किर्गिस्तान से 858 किलोमीटर सीमाएं साझा करता है। चीन की सबसे लंबी सीमा मंगोलिया से जुड़ी है 4 हजार 677 किलोमीटर, दूसरे नंबर पर रूस है (3 हजार 645 किलोमीटर) और तीसरे नंबर पर भारत है, जिसकी 3,488 किलोमीटर विवादित सीमाएं चीन से लगी हुई हैं।

चीन का मंगोलिया और रूस से सीमा विवाद कब का सेटल हो चुका है। मगर उसकी चौकसी में कोई कमी नहीं आई है। मध्य एशिया में एकमात्र

ताजिकिस्तान है, जहां चीन ने अपने मिल्ट्री बेस का निर्माण कर रखा है। यह समझौता तीन माह पहले अक्टूबर, 2021 में हुआ है। चीन 92 किलोमीटर की सीमा अफगानिस्तान से साझा करता है। रूस ने भी ताजिकस्तान की राजधानी दुशान्बे से 10 किलोमीटर दूर अयनी या गिसार में मिल्ट्री बेस बना रखा है। 2001 में एक समझौते के बाद भारत को दुशान्बे से 130 किलोमीटर दूर 'फखोर एयरबेस' के इस्तेमाल की अनुमति मिली, जो पीओके से मात्र 20 किलोमीटर दूर है। जरूरत पड़ने पर यहां से इंडियन एयरफोर्स के युद्धक विमान पीओके में कार्रवाई कर सकते हैं। जिस तरह अमेरिकी पहल पर भारत-जापान-आस्ट्रेलिया 'क्वाड' को आगे बढ़ा रहे हैं, क्या रूस उसी तर्ज पर मध्य एशिया में भारत को सक्रिय कर रहा है? 'मिशन 2022' कुछ उसी दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है। नवंबर, 2021 की शुरुआत में जो सुरक्षा संवाद नयी दिल्ली में आहूत किया गया था, उसमें ईरान और रूस के प्रतिनिधियों का मध्य एशियाई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ सम्मिलित होना बताता है कि यह सब उसी के वास्ते किया गया उपक्रम है। चीन और पाकिस्तान इसे लेकर सहज नहीं हैं। वहीं तालिबान शासन के चार महीने पूरे हो चुके हैं, मगर मध्य एशिया अपनी चिंताओं से मुक्त नहीं हो सका है। उसकी पहली चिंता सीमाओं पर जमा शरणार्थी हैं, जिन्हें लेकर ईरान के अलावा मध्य एशिया के पांचों देश उलझन में हैं। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस), हिज़्ब उत तहरीर (एचयूटी), आइसिस, इस्लामिक स्टेट खुरासान, तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी (टीआईपी), ईस्ट तुर्किस्तान मूवमेंट, जमात अंसारूल्लाह, जिन्हें 'तारिक तालिबान' भी कहते हैं, इनकी मौजूदगी के खतरे बने हुए हैं। शरणार्थियों के जरिये मध्य एशिया में ये आतंकी समूह विस्तार ले सकते हैं, ऐसी चिंता नयी दिल्ली में सुरक्षा सलाहकारों ने व्यक्त की थी। प्रश्न यह है कि मध्य एशिया में भारतीय कूटनीति किस दिशा में अग्रसर होगी? 13 दिसंबर, 2021 को ऑब्जर्बर फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है कि चीन मध्य एशिया से 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार कर रहा है और भारत मात्र दो अरब डॉलर के ट्रेड पर अटका है। चीन ने जिस आक्रामकता से मध्य एशिया को रोड, रेल, उद्योग और ऊर्जा से जोड़ा है, उससे हमने सबक नहीं लिया।

भीड़ का अन्याय और इंसानियत

दीपिका अरोड़ा

गत 21 दिसंबर को झारखंड विधान सभा में 'मॉब वॉयलेंस एंड मॉब लिंचिंग बिल, 2021' पारित किया गया, जिसका उद्देश्य व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा सामूहिक हिंसा रोकना है। इसके तहत दो या दो से अधिक लोगों द्वारा हिंसा करना मॉब लिंचिंग माना जाएगा। भीड़ हिंसा के दोषी पाए जाने पर जुर्माने तथा संपत्तियों की कुर्की के अलावा तीन वर्ष से लेकर उम्रकैद की सजा का प्रावधान है। हिंसा में पीड़ित की मृत्यु होने पर दोषी को आजीवन कारावास तथा 5 से 25 लाख तक जुर्माने की सजा होगी। भड़काऊ पोस्ट डालने तथा पीड़ितों व गवाहों के लिए शत्रुतापूर्ण माहौल बनाने वाले लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। किसी का सामाजिक अथवा व्यावसायिक बहिष्कार भी मॉब लिंचिंग के अंतर्गत आएगा। पीड़ितों के लिए इसमें मुफ्त इलाज की व्यवस्था है। राज्यपाल की स्वीकृति के पश्चात यह कानून बनकर राज्य में प्रभावी हो जाएगा।

अक्सर प्रकाश में आने वाले सामूहिक हिंसा मामलों ने, 2019 में झारखंड में व्यापक चर्चा तब पकड़ी, जब 24 वर्षीय तबरेज अंसारी को बकरी चोरी के संदेह में सरायकेला खरसावां जिले की भीड़ ने रस्सी से बांधकर इतना पीटा कि उसकी मृत्यु हो गई। उच्च न्यायालय की फटकार के पश्चात ऐसे मामलों के निपटारे हेतु जिला स्तरीय समितियों के गठन का फैसला किया गया। 'अनेकता में एकता' भारतीय संस्कृति की विशेषता है, किंतु विविधता में समाविष्ट मतभेदों का हिंसात्मक प्राकट्य राष्ट्रहित के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। 'मॉब लिंचिंग' अर्थात उत्तेजित भीड़ द्वारा किसी को दोषी पाए जाने पर या अपराधी होने के संदेह में स्वयं दंड देना, लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। समस्या का राष्ट्रीय स्तर पर दृष्टिगोचर होना गहन चिंता का विषय है। वर्ष 2002 में हरियाणा के पांच दलितों को गोहत्या के आरोप में सामूहिक हिंसा को निशाना बनाया गया। 2015 में अज्ञात समूह ने मोहम्मद अखलाक को, बेटे दानिश सहित, गोहत्या तथा मांस-भंडारण के आरोप में पीटकर मार डाला। 2017 को राजस्थान में गो तस्करी के झूठे आरोप में पहलू खान की हत्या कर दी गई।

महाराष्ट्र के पालघर में भीड़ द्वारा तीन साधुओं को दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया। उनकी हत्या कर दी गयी। किसान आंदोलन के दौरान सिंघु बॉर्डर पर कथित बेअदबी आरोपी को तेजधार हथियारों से काट दिया गया। पंजाब की दो कथित 'बेअदबी' घटनाओं में आरोपितों को पीट-पीटकर मार डाला गया। अनुमानत: वर्ष 2019 में 107 व 2020 में 23 'मॉब लिंचिंग' मामले प्रकाश में आए। लिंचिंग की अधिकांश घटनाएं जातिगत भेदभाव व धार्मिक असहिष्णुता से संबद्ध हैं। विचाराधीन मामलों का समय पर निपटारा न होना भी घटनाओं की बढ़ोतरी का बड़ा कारण है जैसा कि पंजाब के 'लंबित बेअदबी मामलों' में देखने को आया। जनप्रतिनिधियों के भड़काऊ भाषण तथा स्वार्थसिद्धि हेतु राजनीतिक हथकंडों के रूप में बल प्रयोग भी सामूहिक हिंसा के लिए जिम्मेदार हैं। हालिया कपूरथला मॉब लिंचिंग में सोशल मीडिया का गैर-जिम्मेदाराना रवैया भी प्रमुख कारण के रूप में सामने आया।

भारतीय दंड संहिता में 'मॉब लिंचिंग' के विरुद्ध कार्रवाई से संबंधित कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं। इनका निपटारा धारा-302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास), 323 (जानबूझकर घायल करना), 147-148 (दंगा-फसाद), 149 (आज्ञा के विरुद्ध एकत्रित होना) तथा धारा-34 (सामान्य आशय) के तहत होता है। भीड़ द्वारा हत्या करने पर आईपीसी की धारा 302 तथा 149 मिलाकर पढ़ी जाती हैं, हत्या- प्रयास मामले में धारा 307 और 149 संयुक्तरूपेण सम्मिलित होती हैं। सीआरपीसी में भी इस बारे स्पष्टत: कुछ नहीं कहा गया। 'भीड़ का कोई चेहरा नहीं होता', लिंचिंग में संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी न हो पाना सबसे बड़ी समस्या है। न केवल यह अनुच्छेद-21 में दिए 'जीवन के अधिकार' का हनन करता है, बल्कि दु:साहसी प्रवृत्ति का उत्साहवर्धन करते हुए राज्य की कानूनी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के 2019 के आंकड़ों के अनुसार, 163 देशों में भारत का स्थान 141वां रहा। वर्ष 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने लिंचिंग को 'भीड़तंत्र के एक भयावह कृत्य' के रूप में संबोधित करते हुए केंद्र व राज्य सरकारों को कानून बनाने के दिशा-निर्देश दिए। मणिपुर, वर्ष 2018 में लिंचिंग के विरुद्ध प्रस्ताव पारित करने वाला पहला राज्य बना। तार्किकता व प्रासंगिकता के मद्देनजर यह विधेयक सराहनीय आंका गया। 2019 में राजस्थान एवं पश्चिम बंगाल में भी लिंचिंग के विरुद्ध विधेयक पारित किए गए।

मॉब लिंचिंग न केवल सामाजिक भ्रातृत्व, मानवीय सौहार्द के लिए घातक है बल्कि राज्य की आंतरिक अस्थिरता का कारक भी है। इससे आम जनता में असुरक्षा, भय व अशांति की भावना उपजती है तथा पुलिस प्रशासन व कानून व्यवस्था के प्रति रोष एवं संदेह उत्पन्न होता है। अंतरराष्ट्रीय छवि धूमिल होने से विदेशी व घरेलू निवेश प्रभावित होते हैं, जिसका अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वनिर्धारित दंड-प्रक्रिया का यह घृणित स्वरूप समूची मानवता के लिए एक विषैला दंश है। लोकतंत्र पर भीड़तंत्र का हावी होना मानवीय, सामाजिक, नैतिक, कानूनी किसी भी आधार पर क्षम्य नहीं। अन्य राज्यों को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने चाहिए।

सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए रात को फॉलो करें ये

स्किन केयर रूटीन

सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती हैं। सर्दियों में त्वचा की देखभाल करना काफी मुश्किल होता है। सर्दियों के मौसम में मेकअप का इस्तेमाल करने से चेहरे पर पिंपल, दाग धब्बे हो जाते हैं, वहीं त्वचा की देखभाल ना करने से स्किन ड्राई और रफ हो जाती हैं। सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए नाइट स्किन केयर रुटीन को फॉलो करना जरुरी है। चलिए जानते हैं सर्दियों में ग्लोइंग स्किन के लिए रात के समय क्या करें।

सीरम

सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए सीरम काफी फायदेमंद माना जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए सीरम बहुत ही अच्छा माना जाता है। रात को चेहरा धोने के बाद चेहरे पर सीरम लगाना चाहिए। सीरम लगाने से पिंपल और एक्ने की समस्या कम हो जाती है। सीरम बहुत ही लाइट होता है जो कि स्किन को रिपेयर करता है। त्वचा की देखभाल के लिए रात को सीरम लगाना चाहिए।

चेहरा साफ करें रात को

सोने से पहले हमेशा चेहरा अच्छी तरह से साफ करना चाहिए। अगर आप चेहरे पर मेकअप का इस्तेमाल करते हैं तो रात को सोने से पहले चेहरे का मेकअप जरुर रिमूव करें। रात को चेहरा धोने से त्वचा की गंदगी निकल जाती हैं। रात को चेहरा धोने से पिंपल की समस्या खत्म हो जाती है।

मॉइस्चराइज

त्वचा की देखभाल के लिए मॉइस्चराइज लगाना बहुत जरुरी है। मॉइस्चराइज त्वचा की नेचुरल नमी बनाए रखता है। ग्लोइंग और चमकदार स्किन के लिए मॉइस्चराइज बहुत ही फायदेमंद होता है। सर्दियों में त्वचा की खास देखभाल के लिए रात के समय मॉइस्चराइज लगाना चाहिए।

आईक्रीम

डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए आप आंखों के नीचे क्रीम लगा सकते हैं। रात को सोने पहले आंखों के नीचे क्रीम का इस्तेमाल करने से डार्क सर्कल कम हो जाएंगे।

हेयर मसाज

सर्दियों में बाल काफी ड्राई और रफ हो जाते हैं। बालों की ड्राईनेस को कम करने के लिए सर्दियों रात को गर्म तेल से बालों की मसाज करनी चाहिए। गर्म तेल से बालों की मसाज करने से बाल सॉफ्ट और मुलायम हो जाते हैं। रात को हेयर मसाज करने के बाद अगले दिन सुबह आप हेयर वॉश कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक चूहा शराब के गिलास में गिर गया... वहां से एक बिल्ली गुजर रही थी चूहे ने बिल्ली से कहा- मुझे यहां से बाहर निकाल दो, फिर चाहे मुझे खा लेना। बिल्ली ने गिलास में लात मारी और गिलास गिरा दिया। चूहा निकलकर भागा और बिल में घुस गया। बिल्ली बोली- झूठे, धोखेबाज, तुम तो कह रहे थे मुझे निकाल दो, फिर चाहे बेशक मुझे खा लेना। चूहा मुस्कुराया और बोला- नाराज मत होना, उस वक्त मैं नशे में था।

डॉक्टर: तुमने आने में देर कर दी। युवक: क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास? डॉक्टर: मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अपॉइंटमेंट था 7 बजे आए हो...

साली: जीजा जी क्या आप मेरे लिए शेर को मार के ला सकते हो? जीजा: नो साली जी, कुछ और बताओ। मैं तुम्हारे लिए और कुछ भी कर सकता हूं... साली: क्या मैं तुम्हारा फेसबुक चेक कर सकती हूं जीजा: कहां है वो शेर जिसके बारे में तुम बात कर रही थी?

सास: बहू कहां हो तुम ? बहू: होटल में हूं, बहुत तेज भूख लग रही थी है। इसलिये यहां खाना खा रही हूं, आप कहां हो सासू मां ? सास: लंगर में... तुम्हारे पीछे लाइन में खड़ी हूं, खीर मेरे लिए भी ले लेना।

कहानी — कबूतर का जोड़ा और शिकारी

एक जगह एक लोभी और निर्दय व्याध रहता था। पक्षियों को मारकर खाना ही उसका काम था। इस भयंकर काम के कारण उसके प्रियजनों ने भी उसका त्याग कर दिया था। तब से वह अकेला ही, हाथ में जाल और लाठी लेकर जंगलों में पक्षियों के शिकार के लिये घूमा करता था। एक दिन उसके जाल में एक कबूतरी फंस गई। उसे लेकर जब वह अपनी कुटिया की ओर चला तो आकाश बादलों से घिर गया। मूसलधार वर्षा होने लगी। सर्दी से ठिठुर कर व्याध आश्रय की खोज करने लगा। थोड़ी दूरी पर एक पीपल का वृक्ष था। उसके खोल में घुसते हुए उसने कहा- यहाँ जो भी रहता है, मैं उसकी शरण जाता हूं। इस समय जो मेरी सहायता करेगा उसका जन्मभर ऋणी रहूँगा। उस खोल में वही कबूतर रहता था जिसकी पत्नी को व्याध ने जाल में फंसाया था। कबूतर उस समय पत्नी के वियोग से दु:खी होकर विलाप कर रहा था। पति को प्रेमातुर पाकर कबूतरी का मन आनन्द से नाच उठा। उसने मन ही मन सोचा- 'मेरे धन्य भाग्य हैं जो ऐसा प्रेमी पति मिला है। पति का प्रेम ही पत्नी का जीवन है। पति की प्रसन्नता से ही स्त्री-जीवन सफल होता है । मेरा जीवन सफल हुआ। यह विचार कर वह पति से बोली-पतिदेव। मैं तुम्हारे सामने हूँ। इस व्याध ने मुझे बांध लिया है । यह मेरे पुराने कर्मों का फल है। हम अपने कर्मफल से ही दु:ख भोगते हैं । मेरे बन्धन की चिन्ता छोड़कर तुम इस समय अपने शरणागत अतिथि की सेवा करो। जो जीव अपने अतिथि का सत्कार नहीं करता उसके सब पुण्य छूटकर अतिथि के साथ चले जाते हैं और सब पाप वहीं रह जाते हैं। पत्नी की बात सुन कर कबूतर ने व्याध से कहा-चिन्ता न करो वधिक! इस घर को भी अपना ही जानो। कहो, मैं तुम्हारी कौन सी सेवा कर सकता हूं? व्याध-मुझे सर्दी सता रही है, इसका उपाय कर दो। कबूतर ने लकड़ियां इकट्ठी करके जला दीं। और कहा-तुम आग सेक कर सर्दी दूर कर लो। कबूतर को अब अतिथि-सेवा के लिये भोजन की चिन्ता हुई। किन्तु, उसके घोंसले में तो अन्न का एक दाना भी नहीं था। बहुत सोचने के बाद उसने अपने शरीर से ही व्याध की भूख मिटाने का विचार किया। यह सोच कर वह महात्मा कबूतर स्वयं जलती आग में कूद पड़ा। अपने शरीर का बलिदान करके भी उसने व्याध के तर्पण करने का प्रण पूरा किया। व्याध ने जब कबूतर का यह अद्भुत बलिदान देखा तो आश्चर्य में डूब गया । उसकी आत्मा उसे धिक्कारने लगी। उसी क्षण उसने कबूतरी को जाल से निकाल कर मुक्त कर दिया और पक्षियों को फंसाने के जाल व अन्य उपकरणों को तोड़-फोड़ कर फेंक दिया। कबूतरी अपने पति को आग में जलता देखकर विलाप करने लगी। उसने सोचा-अपने पति के बिना अब मेरे जीवन का प्रयोजन ही क्या है? मेरा संसार उजड़ गया, अब किसके लिये प्राण धारण करूं? यह सोच कर वह पतिव्रत भी आग में कूद पड़ी। इन दोंनों के बलिदान पर आकाश से पुष्पवर्षा हुई। व्याध ने भी उस दिन से प्राणी-हिंसा छोड़ दी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज का दिन बेहतरीन रहेगा। परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हैं।

वृषभ — दांपत्य जीवन में खुशी रहेगी। संतान से अच्छे समाचार मिलने की संभावना होगी। यदि आप किसी लव रिलेशनशिप में है तो दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा और अपने प्रिय के साथ घूमने फिरने के मौके मिलेंगे।

मिथुन — दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। यदि प्रेम जीवन में हैं तो आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। इस मसले पर आपको विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क — प्रेम जीवन में सफलता मिलेगी। प्रियतम के साथ रिश्ते को आगे बढ़ाने की बात कर सकते हैं। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें सुख मिलेगा। जीवनसाथी आपकी भावनाओं की कद्र करेगा।

सिंह — आज का दिन आपके प्रेम जीवन के लिए कमजोर रहेगा। इसलिए साथी को समझकर चलना होगा। रिश्ते में कोई तीसरा व्यक्ति खलल पैदा कर सकता है। वैवाहिक जीवन के सामान्य रहने की संभावना है।

कन्या — आज का दिन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में दोस्तों से बातचीत हो सकती है। जिसका आपको पूरा फायदा मिलेगा। ऑफिस में वर्कलोड कम रहेगा। परिवारवालों के साथ अधिक समय बीतेगा।

तुला — दांपत्य जीवन के लिए दिन अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी आपको हर संभव मदद करेगा। प्रेम जीवन में भी परिस्थितियां अनुकूल बनेंगी। प्रियतम पर बेवजह शक न करें।

वृश्चिक — आपको आज जो भी अच्छा अवसर मिलता है उसका भरपूर लाभ उठाएं। आज कोई भुगतान करते वक्त सावधान रहें और ध्यान रखें कि आपके बैंक में इतने पैसे तो हैं ना कि इसका भुगतान हो जाए।

धनु — प्रेम संबंधी मामलों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। हालांकि प्रियतम की ओर से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में आपका साथी आपकी उम्मीदों का सहारा बनेगा।

मकर — आज का दिन आपके प्रेम जीवन के लिए काफी बेहतर रहने वाला है। आपको अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। इससे आपकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहेगा। नियमित योग करने से आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

कुम्भ — दांपत्य जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा। जीवनसाथी के साथ कीमती समय का आनंद लेंगे। जहां तक प्रेम जीवन का सवाल है तो उसके लिए भी आज का दिन अच्छा बीत सकता है।

मीन — रिलेशनशिप के लिए आज का दिन अच्छा है। यदि आप सिंगल हैं तो आज किसी के साथ आंखें चार हो सकती हैं। अपनी भावनाओं पर काबू रखें।

सोनम कपूर ने पति संग किया नए साल का स्वागत

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर की लाडली और एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों फिल्मी दुनिया से दूर हैं। हालांकि अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अपनी प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक की झलक वह फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब नए साल का स्वागत भी उन्होंने बहुत दिलचस्प अंदाज में किया है। दरअसल, नए साल 2022 के मौके पर सोनम ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इनमें उन्हें पति आनंद अहूजा के साथ देखा जा रहा है। दोनों ही यहां काफी रोमांटिक अंदाज में दिख रहे हैं। इनमें से एक फोटो में सोनम, आनंद के गाल पर किस पर कर रही हैं। जबकि दोनों फोटो में दोनों लिप-लॉक करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा तीसरी तस्वीर में सोनम को अकेले पोज देते देखा जा रहा है। सोनम और आनंद दोनों ही यहां ब्लैक कलर के आउटफिट में नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने इसके साथ डायमंड ज्वेलरी कैरी की है। वहीं, उन्होंने अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए न्यूड मेकअप किया है और बालों को खुला छोड़ा है। इस लुक में सोनम हमेशा ही तरह काफी स्टनिंग लग रही हैं। फोटो के साथ सोनम ने कैप्शन में लिखा, मेरी जिंदगी में प्यार के लिए नया साल मुबारक। सिर्फ ऐवरी डे फेनोमेनल नहीं, वह हर साल अमेजिंग हैं और वह शख्स जिसके साथ मैं अपना हर नया साल बिताना चाहती हूं। 2022 में आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और पूर्ति की कामना करती हूं। गौरतलब है कि अब सोनम की ये फोटोज तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों की तारीफ करते हुए उन्हें साल की बधाई भी दे रहे हैं।

करिश्मा तन्ना ने ऑफिशियल किया अपना रिलेशनशिप

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना पिछले कुछ समय से अपने किसी प्रोजेक्ट से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। कहा जा रहा है कि वह जल्द ही शादी के बंधन में भी बंधने वाली हैं। हालांकि, अब तक एक्ट्रेस ने इन खबरों पर चुप्पी साधी हुई थी। लेकिन अब आखिरकार करिश्मा ने पूरी दुनिया के सामने अपने रिलेशनशिप का ऐलान कर दिया है। दरअसल, करिश्मा अपने चाहने वालो के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। ऐसे में अब उन्होंने बॉयफ्रेंड के साथ अपने रिश्ते को कंफर्म करते हुए कुछ रोमांटिक फोटोज भी शेयर की हैं हालांकि, इन फोटोज में करिश्मा के साथ नजर आ रहे शख्स का चेहरा नहीं दिख रहा है। लेकिन कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस वरुण बंगेरा के साथ रिश्ते में हैं। करिश्मा ने नए साल का स्वागत करते हुए अपनी ये फोटोज शेयर की हैं। इसमें उन्हें बीच पर एक शख्स का हाथ पकड़े चलते देखा जा रहा है। इसमें सिर्फ करिश्मा की ही चेहरा दिख रहा है। जबकि दूसरी फोटो में दोनों की केवल पीठ नजर आ रही है और तीसरी में इनके हाथ दिख रहे हैं। करिश्मा ने इन फोटोज को पोस्ट करते हुए इसके साथ कैप्शन में लिखा, शुक्रिया 2021, 2022 के लिए उत्साहित हूं। आप सभी को नए साल की बधाई। उन्होंने इसके आगे रेड हार्ट का इमोजी भी बनाया है। अब फैंस उनकी इस फोटो पर खूब प्यार लूटा रहे हैं। सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि कई मशहूर हस्तियों ने भी उन्हें इस रिश्ते के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

बालीवुड की पार्टियों में होता है दिखावटीपनः नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में फिल्म उद्योग के खिलाफ एक विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा, मुझे फिल्म उद्योग के कार्यक्रमों या पार्टियों में भाग लेने की तुलना में आम लोगों के बीच रहना अधिक पसंद है। मुझे वहां बहुत अधिक बनावटीपन दिखाई देता है, जो मुझे पसंद नहीं है। अभिनेता के इस बयान के बाद वो लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सभी का सवाल है कि वो आखिरकार बॉलीवुड के किस बनावटीपन के बारे में बात करे रहे हैं। वहीं लोग यह भी जानना चाहते हैं कि आखिरकार अभिनेता के इस बयान के पीछे की असली वजह क्या है। क्या सच में बॉलीवुड पार्टियों में सिर्फ दिखावा होता है। या फिर आत्मीय संबंध और लगाव के कारण भी लोग एक-दूसरे से मिलते हैं। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी फिल्म उद्योग के पार्टीयों के बारे में ऐसा बयान देने वाले पहले व्यक्ति नहीं है। इससे पहले अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी फिल्म उद्योग की पार्टियों को एक किस्म का ढोंग बताया था। उन्होंने कहा था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं को एक खूबसूरत गुड़िया समझा जाता है, जिसका उपयोग बस आकर्षण के लिए किया जाता है। कंगना रनौत ने अपनी और करण जौहर की बातचीत को साझा करते हुए कहा मुझसे एक बार करण जौहर ने कहा था कि तुम पार्टियों में नहीं आती, खुद में ही रहती हो। किसी से मिलती-जुलती नहीं। इस पर अभिनेत्री कंगना रनौत ने उन्हें जवाब देते हुए कहा आप लोगों का एक ग्रुप है। आप लोग आपस में ही लगे रहते हो। आप लोगों का ग्रुप एक - दूसरे के बेहद क्लोज है। ऐसा लगता है कि यहां किसी किस्म का नेपोटिज्म चल रहा हो। कंगना के इन बातों को सुनकर करण तिलमिला उठे थें। जिसके बाद उनकी यह बात सुर्खियों का हिस्सा भी बनी। वहीं अभिनेता आमिर खान की बात करें, तो वो भी बॉलीवुड पार्टियों से तौबा करते दिखाई देते हैं।

पैसेंजर ट्रेनों में 24 कोच और मालगाड़ी में क्यों लगाए जाते हैं 50 से ज्यादा डिब्बे

भारत में परिवहन के लिए रेलगाड़ी एक मुख्य साधन है। लाखों यात्री रोजाना सफर करते हैं। हर भारतवासी की कोई न कोई कहानी रेलगाड़ी से जुड़ी होती है। आज भी ज्यादातर लोग लम्बी दूरी के लिए रेल में यात्रा करना ज्यादा पसंद करते हैं। इतनी सारी रेलगाड़ियों के चलने के बाद भी यात्री ज्यादा हैं और ट्रेन कम। जब भारत में ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या इतनी ज्यादा है तो रेल के डिब्बों को क्यों नहीं बढ़ाया जाता है? लोगों को यात्रा करने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई लोग कंफर्म टिकट न मिलने के कारण वेटिंग टिकट लेकर यात्रा करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि रेलवे को यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए स्पेशल ट्रेन चलानी पड़ती है। अक्सर त्यौहारों पर ऐसा होता है, लेकिन जब रेल का इंजन इतना शक्तिशाली होता है तो ट्रेन में 24 ही डिब्बे क्यों लगाएं जाते हैं। भारतीय रेल की लंबाई 650 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए, क्योंकि लूप लाइन की मानक लंबाई 650 मीटर होती है। इसलिए रेल के एक डिब्बे की लंबाई लगभग 25 मीटर होती है जिससे ट्रेन की लंबाई लूप लाइन से ज्यादा न हो। अगर अब गणना करें तो 650 मीटर में 24 कोच और एक इंजन आराम से एक साथ जोड़े जा सकते हैं। इसलिए यात्री ट्रेनों में अधिकतम 24 डिब्बे रखे जाते हैं। अभी हमने आपको पैसेंजर ट्रेनों के डिब्बों की संख्या के बारे में बताया है। अब मालगाड़ी में डिब्बे कितने होते है? मालगाड़ी के डिब्बों की लंबाई भी लूप लाइन से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। एक मालगाड़ी, BOX, BOXN, BOXN-HL के वैगनों की लंबाई लगभग 11 से 15 मीटर होती है। एक रैक में वैगन बॉक्सों की लंबाई के आधार पर ज्यादा से ज्यादा 40 से 58 तक डिब्बे हो सकते हैं। इसलिए एक मालगाड़ी में ज्यादा से ज्यादा 58 वैगन और यात्री ट्रेन में 24 डिब्बे हो सकते हैं।

अजब-गजब | ये है भारत का अनोखा गांव

यहां के बच्चों को नहीं पता अपने पिता का नाम, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

बच्चों के दो-तीन साल का होने के बाद ही परिवार के सभी सदस्य उसे उसके माता-पिता के बारे में बताने लगते हैं। जिससे उसे अपने पिता और माता का नाम याद हो जाए और किसी के पूछने पर बता सके। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां के बच्चे अपने पिता के बारे में जानते तक नहीं हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के पन्ना जिले एक गांव की जहां बच्चे अपने पिता को नहीं जानते। इसीलिए इस गांव को लोग मिसिंग फादर्स के नाम से भी जानने लगे हैं। इस गांव में करीब 600 लोग रहते हैं इस गांव में बच्चों के पिता को ना पहचाने के पीछे की वजह कुछ और नहीं रोजगार की कमी हैं।

दरअसल, पन्ना जिले के मनकी गांव को लोग अब मिसिंग फादर्स के नाम से जानने लगे हैं। क्यों कि इस गांव के अधिकांश पुरुष काम की तलाश में गांव से बाहर ही रहते हैं। ये गांव सूखे से प्रभावित है इसीलिए इस गांव के 70 फीसदी पुरुष गांव से बारह मेहनत-मजदूरी कर गुजारा करने को मजबूर हैं। इस गांव के लोग काम की तलाश में दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश चले जाते हैं। गांव में काफी समय से बारिश ना होने की वजह से गांव में भारी सूखा पड़ गया है। इसीलिए इस गांव में खेती करना भी संभव नहीं रहा है। अब तो महिलाएं भी गांव छोड़कर अपने पतियों के साथ काम की तलाश में शहरों की ओर प्रस्थान कर रही हैं।इस गांव की अधिकांश महिलाएं अपने पतियों के साथ निर्माण स्थलों पर काम करती हैं। घर का खर्चा चल सके इसके लिए वह गर्भवती अवस्था में भी काम करना नहीं छोड़ती यही नहीं वो 7वें और 8वें महीने में भी काम करती हैं। जब उनके प्रसव का समय आता है तभी वह गांव लौटती हैं। वहीं बच्चे जैसे ही थोड़े बड़े होते हैं तो उन्हें गांव में परिवार के अन्य सदस्यों के पास छोड़कर दोबारा काम पर लौट जाती हैं।

बता दें कि इस गांव की महिलाओं को सुरक्षित प्रसव की भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिसका खामियाजा उन्हें और उनके होने वाले बच्चों को भुगतना पड़ता है। गांव में कोई दाई भी नहीं है और उन्हें किसी अस्पताल में भी नहीं ले जाया जा सकता। जिसकी वजह अस्पतालों का गांव से दूर होना और गांव में पुरुषों का ना होना है। इसलिए घर की महिलाओं को ही डिलीवरी करनी पड़ती है। बता दें कि 2011 में मध्य प्रदेश में विस्थापन का आंकड़ा 1 करोड़ 85 लाख था। जिसमें 50 लाख सिर्फ ग्रामीण इलाकों का था।

कोरोना के खिलाफ डीएम ने संभाली कमान, लोगों को किया जागरूक

» नगर का भ्रमण कर दुकानदारों और ग्राहकों से भी किया संवाद

» मास्क नहीं तो सामान नहीं की नीति पर व्यापार करने को कहा

» कोरोना जागरूकता वैन और सेनेटाइजेशन वाहनों को किया रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कोरोना संक्रमण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने जीपीओ चौराहे से नगर निगम की 30 कोरोना जागरूकता वैनों और 12 सेनेटाइजेशन गाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। वैनों को रवाना करने के साथ जिलाधिकारी ने 110 वार्ड के 110 कोरोना जागरूकता वालेंटियर और 20 नागरिक सुरक्षा के वालेंटियरों को मानव श्रृंखला बनाकर प्रण दिलाया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर लोगों को कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर, टीकाकरण और विशेषकर बच्चों के टीकाकरण के संबंध में जागरूक करेंगे।

जिलाधिकारी द्वारा समस्त कोरोना जागरूकता वालेंटियर और नागरिक सुरक्षा के वालेंटियरों को कोरोना से बचाव के उपाय, टीकाकरण और बच्चों के टीकाकरण के संबंध में पम्फलेट भी उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा जिलाधिकारी स्वयं हजरतगंज स्थित जनपद मार्केट के भ्रमण पर निकले। जिलाधिकारी ने दुकानों में जाकर वहां के स्टाफ और ग्राहकों से संवाद किया गया। जिलाधिकारी ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि वह स्वयं भी मास्क का प्रयोग करें और बिना मास्क लगाए ग्राहकों को अपने प्रतिष्ठानों में प्रवेश न दें। उन्होंने मास्क नहीं तो समान नहीं की नीति पर व्यापार करें। जिलाधिकारी ने ग्राहकों से भी संवाद किया और उनको सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाने को लेकर जागरूक किया। उन्होंने टीकाकरण कराने की अपील भी लोगों से की। जिलाधिकारी ने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है और लोग सावधानी बरतें।

भाजपा एमएलसी आरएन सिंह का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। महाराष्ट्र से भाजपा एमएलसी और उत्तर भारतीय संघ मुंबई के अध्यक्ष आरएन सिंह (74) का रविवार की देर शाम हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वह 30 दिसंबर को बड़हलगंज स्थित पैतृक गांव भरौली आए थे। एक दिसंबर को अपना जन्म दिन भी मनाया था। रविवार को चार्टर्ड प्लेन से मुंबई जाने वाले थे। गोरखपुर एयरपोर्ट पर अचानक सीने में दर्द हुआ। डॉक्टरों ने जांच की तो हार्ट अटैक की पुष्टि हुई। एयरफोर्स के एंबुलेंस से उन्हें पनेशिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने आरएन सिंह को मृत घोषित कर दिया।

बड़हलगंज के भरौली गांव निवासी आरएन सिंह बांबे इंटेलीजेंस सिक्योरिटी (बीआईएस) के चेयरमैन थे। पूरे परिवार के साथ हर वर्ष अपना जन्मदिन पैतृक गांव में ही मनाते थे। इस बार 30 दिसंबर को ही गोरखपुर आ गए थे। 31 दिसंबर को रामसखी राम निवासी महाविद्यालय के संस्थापक दिवस समारोह में हिस्सा लिया था। जरूरतमंदों को कंबल सहित अन्य सहायता दी थी। वह गांव में तमाम लोगों को वृद्धावस्था, विधवा पेंशन देते थे। स्कूल, कॉलेज खोलकर शिक्षा की व्यवस्था की है। आरएन सिंह का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए भरौली गांव में रखा गया है। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में भारतीय फौज ने मार गिराया पाक घुसपैठिया

» पाकिस्तान भारतीय सीमा में लगातार घुसपैठ कराने की कर रहा कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

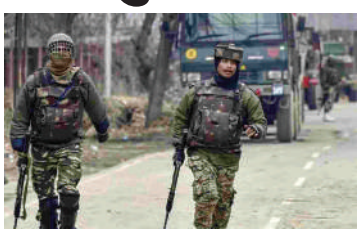

जम्मू। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अरनिया सेक्टर की भूलेचक पोस्ट पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया है। जवानों ने उसे कई बार चेतावनी भी दी परंतु जब वह पीछे नहीं हटा तो जवानों ने उसे वहीं ढेर कर दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज तड़के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी की आवाज सुनकर सीमांत लोगों में दहशत का माहौल फैल गया। पहले लगा कि सीमा पर भारत-पाकिस्तान जवानों में गोलीबारी का सिलसिला शुरू हो गया परंतु यह गोलीबारी कुछ समय के लिए थी। बाद में जानकारी मिली कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने अरनिया के पोप भूले चक सेक्टर में एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया है। धुंध की आड़ में यह घुसपैठिया भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। गत दिसंबर जवानों ने एक महिला पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया था। इसके अलावा इस रविवार को नियंत्रण रेखा से सटे केरन सेक्टर में भी जवानों ने पाकिस्तानी सेना की मदद से भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे एक घुसपैठिये को मार गिराया। मारे गए घुसपैठिये की पहचान मोहम्मद शब्बीर मलिक के तौर पर हुई और उसके पास से एके-47 और उसकी सात मैगजीन भी बरामद हुई।

पंजाब में खत्म होगी कांग्रेस की कलह सिद्धू संग काम करने को तैयार चन्नी

» अपनी ही सरकार पर लगातार हमलावर हैं सिद्धू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस की कलह खत्म हो सकती हैं। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि वे कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। पार्टी के लिए वे कोई भी 'त्याग' करने के लिए तैयार हैं। सीएम चन्नी का ये बयान उनके और सिद्धू के बीच चल रहे शीतयुद्ध की पृष्ठभूमि में आया है। सिद्धू अपनी ही सरकार की अक्सर आलोचना करते रहते हैं।

पंजाब सरकार के खिलाफ सिद्धू की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर चन्नी ने कहा कि वे पार्टी के एक 'वफादार सिपाही' हैं और पूरी ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं सिद्धू साहब के साथ काम करने के लिए तैयार हूं और मैं पहले से ही ये कर रहा हूं। मैं पार्टी के लिए कोई भी त्याग करने के लिए हमेशा तैयार हूं। पार्टी मुझे जो भी कहेगी मैं उसका पालन करूंगा। बता दें कि हाल के दिनों में सिद्धू लगातार पंजाब सरकार पर हमले करते रहे हैं. पिछले साल कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटा कर कांग्रेस ने चन्नी को सीएम की कमान दे दी थी जबकि सिद्धू को पंजाब में पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया। हालांकि कुछ ही दिनों के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा भी दे दिया था लेकिन दिल्ली में हाईकमान के कहने पर वह मान गए थे। इस बीच सिद्धू अब पार्टी पर चुनाव से पहले सीएम कैंडिडेट के ऐलान करने का दबाव बना रहे हैं। पिछले दिनों सिद्धू ने अपनी ही पार्टी पर हमला करते हुए 2022 के चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर अपना रुख साफ करने के लिए कहा था। नवजोत सिंह सिद्धू ने चुटकी लेते हुए कहा, 'दूल्हे के बिना कैसी बारात? बीते दिनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संकट से बचने के लिए एक सही मुख्यमंत्री जरूरी था।

आप ने जारी की उम्मीदवारों की सातवीं सूची, मजीठा से लाली होंगे प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने आज अपने पांच उम्मीदवारों की सातवीं सूची जारी कर दी है। दो दिन पहले ही पार्टी में शामिल हुए सुखजिंदर राज सिंह लाली मजीठिया को मजीठा विधान सभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। अमृतसर सेंट्रल से डॉ.अजय गुप्ता को टिकट दी गई है। पार्टी ने तरनतारन से डॉ. कश्मीर सिंह सोहल, जालंधर कैंट से सुरिंदर सिंह सोढ़ी और मलोट से डॉ. बलजीत कौर को उम्मीदवार बनाया है।

» पंजाब में 101 उम्मीदवारों के नामों की कर चुकी है घोषणा

पिछले दिनों पार्टी ने आठ प्रत्याशियों की छठवीं सूची जारी की थी। आम आदमी पार्टी विधान सभा चुनाव के लिए अब तक 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। पंजाब में विधान सभा की 117 सीटें हैं। पार्टी को अब 16 प्रत्याशियों की घोषणा करनी है। एडवोकेट अमरपाल सिंह को आप ने श्री हरगोबिंदपुर से अपना उम्मीदवार बनाया है। जीवनजोत कौर अमृतसर पूर्व से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को टक्कर देंगी। सिद्धू वर्तमान में इसी विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं। हालांकि उनके पटियाला से भी चुनाव लड़ने की चर्चा है।

जनता के सामने खुल गया है गुजरात मॉडल का झूठ : भूपेश

» छत्तीसगढ़ के सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 'गुजरात मॉडल' का झूठ जनता के सामने आ गया है। भाजपा के पास उत्तर प्रदेश के लोगों के विकास के लिए कोई रोडमैप नहीं है।

उन्होंने कहा कि यहां के किसान, युवा, व्यापारी, प्रतियोगी परीक्षा देने वाले बच्चे, माताएं-बहनें हर कोई भाजपा सरकार से त्रस्त और परेशान हैं। किसान आत्महत्या को मजबूर हैं। आए दिन दलितों के साथ अपराध और पुलिस थानों में हत्या एवं दुष्कर्म जैसी जघन्य घटनाएं हो रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक हो जाता है। प्रदेश में जितनी भी भर्तियां निकलीं, वे सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई हैं। यूपी में विकास के नाम पर दुर्व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि आप आकर छत्तीसगढ़ में देखिए, वहां एमएसपी की दर देश के बाकी राज्यों की तुलना में ज्यादा है। इसका फायदा वहां के किसान भाइयों को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की कोई समस्या नहीं है इसलिए विधान सभा चुनाव में आप सभी दलित, मजदूर, किसान एकजुट हो कर कांग्रेस को वोट दें। जुमलेबाजों को परास्त कर धर्म और जाति की राजनीति करने वालों को सत्ता से दूर करें। इस दौरान सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आरएस पटेल, पूर्व सांसद डा. राजेश मिश्र, पूर्व विधायक अजय राय समेत कई लोग मौजूद रहे।

भारत-नेपाल सीमा पर मिले कोरोना संक्रमित सभी को लौटाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमित मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी है। यहां ओमिक्रॉन के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य महकमा और सरकार अलर्ट है। इसी क्रम में भारत-नेपाल सीमा पर जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग को 12 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इन्हें वापस नेपाल लौटा दिया गया।

उत्तराखंड सरकार की ओर से कोरोना वायरस और ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। हाल में देहरादून में चार ओमिक्रॉन के नए केस मिले थे। इसके बाद दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों पर खास नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही भारत सीमा से सटे नेपाल में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण से भी स्वास्थ्य विभाग की चिंता भी बढ़ी हुई है। इसी को लेकर सघन जांच की जा रही है।

लखनऊ से आम आदमी पार्टी का चुनाव अभियान शुरु

सरकार बनी तो हर साल देंगे 10 लाख नौकरी : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी भी जोरदार तैयारी के साथ उतर रही है। पार्टी के संयोजक तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कल लखनऊ में पार्टी की महारैली में हुंकार भरी। लखनऊ के स्मृति उपवन पार्क में अरविंद केजरीवाल ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के प्रभारी राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह व महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव भी मौजूद थी।

रैली में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े नेता ने कहा था कि अखिलेश यूपी में कब्रिस्तान बनवा रहे हैं, हम आएंगे तो उसकी जगह पर श्मशान बनवाएंगे। केजरीवाल ने कहा योगी ने तो श्मशान बनवाये हैं। आप लोग मुझे मौका दो हम लोग यहां पर स्कूल व अस्पताल बनवाएंगे। केजरीवाल ने अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा कि अभी तक तो मुफ्त बिजली देना सिर्फ मुझे आता है। हम दिल्ली में 35 लाख को मुफ्त बिजली दे रहे हैं। अखिलेश को अभी काफी समय लगेगा। केजरीवाल ने कहा जब मनीष सिसोदिया यूपी स्कूल देखने आए तो पुलिस लगाकर उन्हें रोक दिया। मैं तो सीएम योगी को चुनौती देता हूं। दिल्ली के किसी भी स्कूल का निरीक्षण कर लें। योगी जी तो फिलहाल प्रचार में करोड़ों रुपए फूंक रहे। दिल्ली में मेरी सरकार के 106 होर्डिंग लगे हैं और योगी जी की 850 लगी है। मुझे राजनीति करना नहीं आता सिर्फ और सिर्फ काम करना आता है।

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने भी बीजेपी पर साधा निशाना

आम आदमी पार्टी को एक मौका देकर तो देखो

केजरीवाल ने कहा कि आप लोग एक बार आम आदमी पार्टी को मौका दे दीजिए। अगर कुछ काम करूंगा तभी पांच साल बाद वोट मांगने आऊंगा। दिल्ली में भी मैंने लोगों से यही कहा था, वहां पर काम किया तभी फिर सत्ता में वापस आया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में हमारी पार्टी की सरकार बनी तो सभी नागरिकों को अयोध्या की मुफ्त यात्रा और रहने-खाने का पूरा खर्च हम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी का परम भक्त हूं और उनके सपनों को साकार करूंगा। आजादी के 75 वर्ष बाद भी सरकारों ने लोगों को जानबूझकर अनपढ़ रखा। मैं सभी को अच्छी शिक्षा दूंगा। बेरोजगारों को हर साल 10 लाख नौकरियां दूंगा। नौकरियां दूगा तो प्रदेश का विकास तेजी से हो सकेगा।

लखीमपुर हिंसा
पांच हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल

» मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा हिंसा का है मुख्य आरोपित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी के तिकुनियां में उपद्रव के बाद तीन अक्टूबर को हिंसा के मामले में आज चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। लखीमपुर खीरी हिंसा के 88 दिन बाद दाखिल इस चार्जशीट में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को मुख्य आरोपित बताया गया। चार्जशीट पूरे पांच हजार पन्नों की है।

एसआईटी के मुताबिक, आशीष घटनास्थल पर ही मौजूद था। हिंसा के मामले में सोमवार को 88 दिन पूरे होने पर आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। आरोप और विवेचना के दौरान दर्ज किए गए बयानों पर लोगों की नजरें टिकी थीं। खीरी हिंसा में केंद्रीय मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू समेत 13 आरोपित जेल में हैं। चार्जशीट में मोनू मिश्रा को मुख्य आरोपित माना गया है। इस मामले में किसानों ने सीबीआई जांच की मांग की थी। राजनीतिक दलों ने भी इस मामले पर बीजेपी को पूरी तरह घेर रखा है। इस मामले में सात अक्टूबर को पहली गिरफ्तारी हुई थी। तीन अक्टूबर को तिकुनिया कस्बे में हुई हिंसा में चार किसानों और एक पत्रकार सहित आठ लोगों की जान गई थी। चार्जशीट में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के बेटे आशीष मिश्र के साथ ही उनके रिश्तेदार वीरेंद्र शुक्ला का भी नाम जोड़ा गया है। जिस पर सबूत छिपाने का आरोप है। वीरेंद्र शुक्ला ब्लॉक प्रमुख है।

बहन जी जल्द करेंगी पूरे प्रदेश का दौरा : सतीश मिश्रा

» सीएम योगी लड़ेंगे तो उनके खिलाफ भी प्रत्याशी उतारेगी बसपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव से पहले सभी राजनीतिक दल ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे है। जबकि चार बार यूपी की मुख्यमंत्री रहीं बसपा प्रमुख मायावती चुनावी समर में नहीं उतर पाई है। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने बताया कि आचार संहिता लागू होने के तुरंत बाद बहन जी के दौरे पूरे प्रदेश में होने वाले है।

उन्होंने कहा कि वो हर जिले में जाएंगी। हम बीजेपी की तरह नहीं है कि सरकारी पैसे का दुरुपयोग कर एक पत्थर लगाये और वोट मांगे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चुनाव लड़ने के सवाल पर सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा हम भी यही चाहते है कि सीएम चुनाव लड़े और खुद देखे कि जनता के बीच में उनके लेकर क्या फीडबैक है। सतीश ने दावा करते हुए कहा बीएसपी भी सीएम योगी के खिलाफ अपना प्रत्याशी उतारेगी और सीएम को चुनाव में हराएगा भी।

फोटो: सुमित कुमार

प्रदर्शन राजधानी लखनऊ के लॉरेटो चौराहे पर बेसिक शिक्षा विभाग में 97000 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किए जाने की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन। अभ्यर्थियों ने कहा यह सरकार बेरोजगारों को उनका हक नहीं दे रही है, जो कि ठीक नहीं है।

मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक का प्रधानमंत्री पर बड़ा आरोप, बोले–

घमंडी हैं मोदी, किसानों के मुद्दे पर हो गई थी लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मेघालय के राज्यपाल प्रोफेसर सत्यपाल मलिक ने हरियाणा में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घमंडी बताया है। मलिक ने कहा कि मैं जब किसानों के मामले में प्रधानमंत्री जी से मिलने गया तो मेरी पांच मिनट में उनसे लड़ी हो गई। वे बहुत घमंड में थे। जब मैंने उनसे कहा कि हमारे 500 लोग मर गए... तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए मरे हैं? मैंने उनसे कहा कि आपके लिए ही तो मरे थे, जो आप राजा बने हुए हो... मेरा झगड़ा हो गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि अब आप अमित शाह से मिल लो। मैं अमित शाह से मिला और समस्या बताई।

किसानों से ज्यादती हुई तो फिर शुरू होगा आंदोलन

सत्यपाल मलिक हरियाणा के चरखी दादरी स्थित बाबा स्वामी दयाल धाम पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि किसान आंदोलन में दर्ज मुकदमों को रद्द करने के साथ सरकार को एमएसपी को कानूनी अमलीजामा पहनाने का काम ईमानदारी से पूरा करना चाहिए। सरकार अगर यह सोच रही है कि आंदोलन खत्म हो चुका है, तो यह गलत है। आंदोलन खत्म नहीं हुआ, बल्कि स्थगित हुआ है। अगर किसानों से ज्यादती हुई तो आंदोलन फिर शुरू हो जाएगा। प्रो. मलिक ने कहा कि कृषि कानूनों की वापसी को लेकर प्रधानमंत्री ने जो कहा, उससे आगे कहने की कोई गुंजाइश नहीं है। अब किसानों को अपने पक्ष में फैसले करवाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने चौधरी चरण सिंह के साथ राजनीति की है और हर स्थिति में वे किसानों के साथ है। इसके लिए फिर उन्हें चाहे कोई भी पद न छोड़ना पड़े। सतपाल मलिक लंबे समय से किसान आंदोलन का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के पक्ष में थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।